



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010

## बी०ए० हिन्दी भाषा पाठ्यक्रम

(सत्र : 2021-22 से आगे)

स्नातक पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्रों के वर्षवार प्रश्न-पत्र (Hindi Language)

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्न-पत्र शीर्षक	लिखित / प्रयोगात्मक	क्रेडिट	अधिकतम अंक (100)	
						आन्तरिक	बाह्य
प्रथम वर्ष	प्रथम	A390101T	हिन्दी भाषा का विकासात्मक परिचय	लिखित	6	25	75
	द्वितीय	A390201T	हिन्दी का व्याकरणिक स्वरूप	लिखित	6	25	75
द्वितीय वर्ष	तृतीय	A390301T	प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप	लिखित	6	25	75
	चतुर्थ	A390401T	हिन्दी की आधुनिक गद्य विधायें	लिखित	6	25	75
तृतीय वर्ष	पंचम	A390501T	संचार माध्यमों में हिन्दी प्रयोग	लिखित	5	25	75
	पंचम	A390502T	अनुवाद- (सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक परिचय)	लिखित	5	25	75
	पंचम	A390503R	शोध परियोजना	परियोजना	-	-	qualifying
	षष्ठ	A390601T	हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग परिचय	लिखित	5	25	75
	षष्ठ	A390602T	लोकभाषा एवं साहित्य	लिखित	5	25	75
	षष्ठ	A390603R	शोध परियोजना	परियोजना	-	-	qualifying

(अध्ययन परिषद द्वारा अनुमोदित – दिनांक : 26.10.2021)

उद्देश्य :-

- छात्रों में भाषा को समझने तथा मूल्यांकन करने की दृष्टि बढ़ाना।
- संविधान में उल्लिखित भाषाओं का परिचय कराना।
- शब्द संरचना प्रक्रिया के प्रति छात्रों का ध्यानाकर्षण कराना।
- साहित्यिक कृतियों का विविध दृष्टियों से विवेचन-विश्लेषण, आस्वादन तथा समीक्षा करने की दृष्टि देना।
- छात्रों को प्रयोजनमूलक हिन्दी की व्यापकता से अवगत कराना।
- हिन्दी भाषा की व्यावहारिक उपयोगिता का परिचय देना।
- हिन्दी भाषी क्षेत्रों का ज्ञान कराना।



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010

हिन्दी भाषा

बी०ए० प्रथम वर्ष (सेमेस्टर-I)

प्रश्न-पत्र : हिन्दी भाषा का विकासात्मक परिचय

क्रेडिट-6

पूर्णांक-100

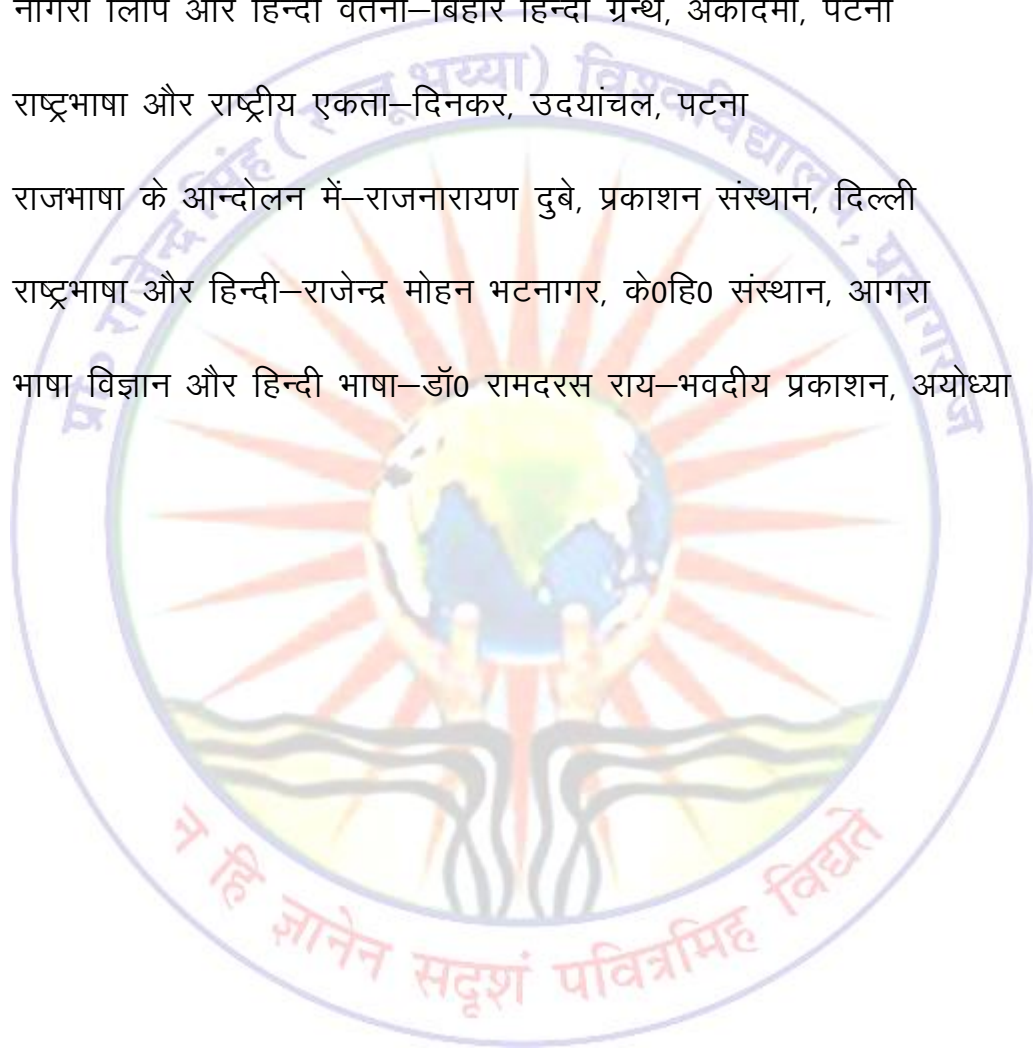
- 01- अपभ्रंश और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध।
- 02- हिन्दी की उपभाषाओं का सामान्य परिचय।
- 03- काव्य भाषा के रूप में हिन्दी का विकास :-  
अ. अवधी का विकास  
ब. ब्रज का विकास  
स. खड़ी बोली का विकास
- 04- राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास -  
अ. खड़ी बोली का सम्पर्क भाषा के रूप में विकास  
ब. राजभाषा : तात्पर्य एवं महत्व  
स. राष्ट्रभाषा हिन्दी की समस्यायें
- 05- देवनागरी लिपि -  
अ. संक्षिप्त इतिहास।  
ब. वैज्ञानिकता।  
स. सीमायें और सम्भावनायें।  
द. वर्तमान सन्दर्भ में सार्थकता।



## प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010

सन्दर्भ पुस्तकें :-

- 01- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास-उदय नारायण तिवारी
- 02- नागरी लिपि और उसकी समस्यायें-नरेश मिश्र
- 03- नागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी-बिहार हिन्दी ग्रन्थ, अकादमी, पटना
- 04- राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीय एकता-दिनकर, उदयाचल, पटना
- 05- राजभाषा के आन्दोलन में-राजनारायण दुबे, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
- 06- राष्ट्रभाषा और हिन्दी-राजेन्द्र मोहन भटनागर, के०हि० संस्थान, आगरा
- 07- भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा-डॉ० रामदरस राय-भवदीय प्रकाशन, अयोध्या





# प्र० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010

## हिन्दी भाषा

बी०ए० प्रथम वर्ष (सेमेस्टर-II)

### प्रश्न पत्र : हिन्दी का व्याकरणिक स्वरूप

क्रेडिट – 6

पूर्णांक: 100

पाठ्य विषय

01- हिन्दी ध्वनियों का स्वरूप-

क- स्वर और व्यंजन

ख- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण

ग- वाक्य संरचना

02- हिन्दी शब्द समूह-

03- हिन्दी शब्द संरचना – पर्यायवाची, समानार्थक, विलोमार्थक, अनेकार्थक, अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द समूहार्थक शब्दों के प्रयोग निकटार्थी शब्दों के सूक्ष्म अर्थ-भेद, समानार्थक शब्दों के भेद।

04- लिंग विधान और कारक प्रयोग –

क- वर्तनी।

ख- विरामादि चिन्हों के प्रयोग।

ग- मुहावरें और लोकोक्तियों तथा उनके रचनात्मक प्रयोग।

05- उपसर्ग, प्रत्यय

सन्दर्भ पुस्तकें :-

01- राजभाषा हिन्दी-गोविन्ददास-हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

02- राष्ट्रभाषा आन्दोलन-गोपाल परशुराम-महाराष्ट्र सभा।

03- विराम चिन्ह – महेन्द्र राजा जैन-किताबघर, दिल्ली।





# प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010

## हिन्दी भाषा

बी०ए० द्वितीय वर्ष (सेमेस्टर-III)

प्रश्न-पत्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप

क्रेडिट – 6

पूर्णांक: 100

01- प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा एवं विकास।

02- टिप्पणी, आलेखन।

03- हिन्दी पत्राचार-

क. कार्यालयी, पत्राचार।

ख. वाणिज्यिक पत्राचार।

04- पारिभाषिक शब्दावली का सैद्धान्तिक परिचय, व्यवहार।

05- संक्षेपण एवं पल्लवन।

सन्दर्भ पुस्तकें :-

01- प्रयोजनमूलक हिन्दी-रामप्रकाश, राधाकृष्ण, प्रकाशन, दिल्ली।

02- प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग, रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

03- प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिन्दी – रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

04- हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप- कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

05- प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी- कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

06- प्रशासनिक हिन्दी टिप्पण, प्रारूपण एवं पत्र लेखन- हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

07- आधुनिक व्याकरण एवं रचना – वासुदेव नन्दन प्रसाद, पटना।



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010

हिन्दी भाषा

बी०ए० द्वितीय वर्ष (सेमेस्टर-IV)

प्रश्न-पत्र : हिन्दी की आधुनिक गद्य विधायें

क्रेडिट – 6

पूर्णांक: 100

पाठ्य विषय –

गद्य विधा नामक संकलन बनाया जायेगा जिसमें निम्नलिखित विधायें समायोजित की जायेंगी।

- 01- कहानी-प्रेमचन्द-बड़े भाई साहब
- 02- रेखाचित्र- महादेवी वर्मा-गिल्लू
- 03- संस्मरण- काशीनाथ सिंह- घर का जोगी जोगड़ा
- 04- रिपोर्टाज- फणीश्वरनाथ रेणु- ऋण जल धन जल
- 05- यात्रावृत्तांत- अज्ञेय- अरे यायावार रहेगा याद का एक अंश
- 06- डायरी- रघुवीर सहाय- दिल्ली मेरा परदेश
- 07- आत्मकथा – ओम प्रकाश वाल्मीकि – जूठन का एक अंश
- 08- व्यंग्य- हरिशंकर परसाई- स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन

सहायक पुस्तकें :-

- 01- आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना – वासुदेव नन्दन प्रसाद, पटना
- 02- हिन्दी शब्द मीमांसा – किशोरी प्रसाद बाजपेयी
- 03- हिन्दी का सामान्य ज्ञान भाग-2, हरदेव बाहरी, लोकभारती, इलाहाबाद।
- 04- शुद्ध हिन्दी- जगदीश प्रसाद कौशिक
- 05- अच्छी हिन्दी- रामचन्द्र वर्मा
- 06- निबन्ध के रूप और तत्व – देवमित्र



# प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010

## हिन्दी भाषा

बी०ए० तृतीय वर्ष (सेमेस्टर-V)

प्रथम प्रश्न-पत्र : संचार माध्यमों में हिन्दी प्रयोग

क्रेडिट – 5

पूर्णांक: 100

पाठ्य-विषय –

01- जनसंचार माध्यम में भाषा की प्रकृति-

बोधगम्यता एवं सम्प्रेषण की समस्या, मानकीकरण, आधुनिकीकरण और शैलीकरण की समस्या।

02- समाचार पत्रों की हिन्दी-

समसामयिक सूचनाओं का भाषा पर दबाव तथा समाचार-पत्रों की भाषा प्रकार्य की दृष्टि से भाषा के विविध रूप।

03- दूरदर्शन की हिन्दी-

दृश्य-श्रव्य सारणिका, हिन्दी भाषा पर दबाव, मनोरंजन तथा दूरदर्शन और फिल्मों की।

हिन्दी भाषा, आंगिक एवं वाचिक अभिव्यक्ति। संवाद की सहभागिता। फिल्म तथा दूरदर्शन की भाषा में अन्तर।

04- विज्ञापनों की हिन्दी-

विज्ञापनों की दुनियाँ, विज्ञापनों की सफलता में भाषा का योगदान, भाषागत विशेषतायें।

05- आकाशवाणी की हिन्दी –



## प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010

हिन्दी का विकास और अकाशवाणी की भाषा, मौखिक भाषा की प्रकृति, तान-अनुतान की समस्या, मानक उच्चारण, प्रस्तुतीकरण की स्वाभाविकता, समाचार पठन, भाषा का वैयक्तीकरण।

सन्दर्भ पुस्तकें :-

- 01- हिन्दी का काव्यात्मक व्याकरण-सहकार प्रकाशन, दिल्ली
- 02- सम्पादन के सिद्धान्त-रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन
- 03- प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ वर्णन-अंकुर प्रकाशन, दिल्ली
- 04- भाषा शिक्षण - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली
- 05- हिन्दी भाषा का सामाजिक सन्दर्भ - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा
- 06- हिन्दी भाषा संरचना और प्रयोग - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
- 07- समाचार-पत्र मुद्रण एवं साज-सज्जा - श्याम सुन्दर शर्मा, मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
- 08- आधुनिक पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- 09- समाचार सम्पादन एवं पृष्ठ सज्जा - रमेश कुमार जैन, यूनिवर्सल बुक कम्पनी, जयपुर





प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010

हिन्दी भाषा

बी०ए० तृतीय वर्ष (सेमेस्टर-V)

द्वितीय प्रश्न-पत्र : अनुवाद-सैद्धान्तिक और व्यावहारिक परिचय

क्रेडिट - 5

पूर्णांक: 100

पाठ्य-विषय -

01- अनुवाद : स्वरूप और क्षेत्र -

अनुवाद का व्यापक सन्दर्भ, अन्तरभाषिक अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद का भाषा वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक सन्दर्भ।

02- अनुवाद प्रक्रिया-

अनुवाद प्रक्रिया के तीन पहलू - विश्लेषण, अन्तरण और पुनर्गठन।

अनुवाद की तीन भूमिकायें - पाठन भूमिका और अर्थ ग्रहण की प्रक्रिया।

द्विभाषिक की भूमिका और अर्थान्तरण की प्रक्रिया। रचयिता की भूमिका और अर्थ सम्प्रेषण।

03- अनुवाद के प्रकार -

पाठानुवाद, पूर्ण एवं आंशिक अनुवाद, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पद्यानुवाद एवं गद्यानुवाद।

04- अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष-

साहित्यिक अनुवाद की समस्याएं, वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्यायें, कार्यालयी साहित्य के अनुवाद की समस्यायें।

05- व्यावहारिक पक्ष -

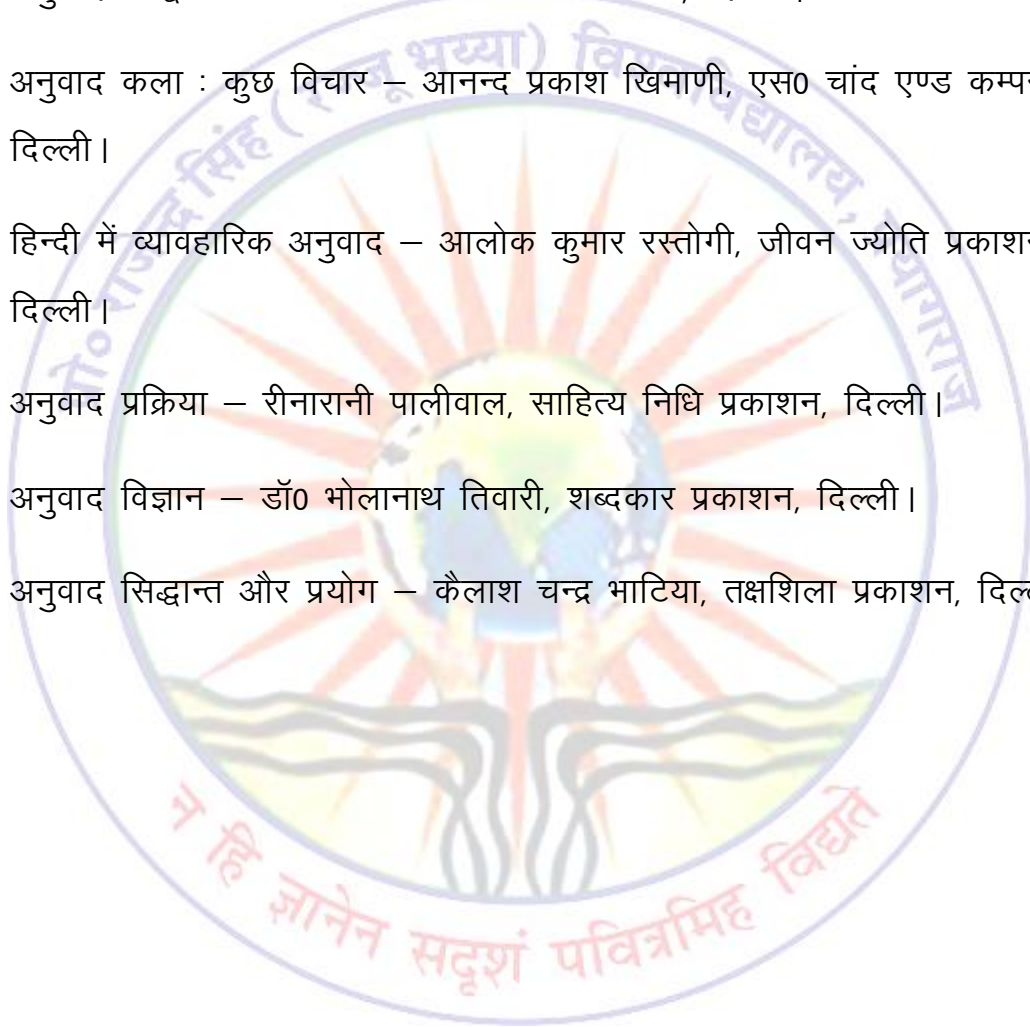


## प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010

हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद के सरल अंश

सहायक पुस्तकें :-

- 01- कार्यालयी अनुवाद की समस्यायें – भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
- 02- अनुवाद कला – विश्वनाथ अय्यर – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
- 03- अनुवाद सिद्धान्त और समस्यायें – आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
- 04- अनुवाद कला : कुछ विचार – आनन्द प्रकाश खिमाणी, एस० चांद एण्ड कम्पनी, दिल्ली।
- 05- हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद – आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, दिल्ली।
- 06- अनुवाद प्रक्रिया – रीनारानी पालीवाल, साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली।
- 07- अनुवाद विज्ञान – डॉ० भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।
- 08- अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग – कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।





प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010  
हिन्दी भाषा

बी०ए० तृतीय वर्ष (सेमेस्टर-VI)

प्रथम प्रश्न-पत्र : हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग परिचय

क्रेडिट - 5

पूर्णांक 100

प्रथम प्रश्न - अनिवार्य दस लघु उत्तरीय प्रश्न।

इकाई-1 हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास।

इकाई-2 हिन्दी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल की परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकर और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ।

इकाई-3 आधुनिक काल - भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता की प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि, गद्य की प्रमुख विधाएँ - कहानी, निबन्ध, उपन्यास, नाटक का उद्भव और विकास।

इकाई-4 काव्यांग परिचय: काव्य स्वरूप, काव्य हेतु काव्य प्रयोजन।

1. रस-रस तथा उसके अवयवों का सामान्य परिचय।
2. अलंकार - यमक, श्लेष, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, असंगति, विभावना, विशेषोक्ति, अपहृति, प्रतीप।
3. बरवै, सवैया, रोला, कवित्त, दोहा, चौपाई, सोरठा।

संदर्भ पुस्तकें -

- 01- हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका-सूर्य प्रसाद दीक्षित, हिन्दी साहित्य संस्थान, लखनऊ।
- 02- आधुनिक अत्याधुनिक - सूर्य प्रसाद दीक्षित, हिन्दी साहित्य संस्थान, लखनऊ।
- 03- स्वतन्त्रयोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास (द्वितीय महायुद्धोत्तर)-लक्ष्मी सागर वाष्णीय, राजपाल एण्ड सन्स, 1590, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली।



## प्रो० राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010

- 04- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
- 05- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
- 06- समकालीन हिन्दी कविता – ए० अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
- 07- नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – गजानन माधव मुक्तिबोध, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
- 08- साहित्य और संस्कृति – मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
- 09- आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्बविधान – केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
- 10- साहित्य विधाओं की प्रकृति – सं० देवीशंकर अवस्थी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

नोट –

पाठ्यक्रम में समावेश किये गए रचनाकारों को प्रस्तावित कविताओं/काव्यांशों के पाठ विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने की दृष्टि से स्वतंत्र संग्रह प्रकाशित करने का प्रस्ताव भी पाठ्यक्रम समिति की इस बैठक में किया गया ।





प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010

हिन्दी भाषा

बी०ए० तृतीय वर्ष (सेमेस्टर-VI)

द्वितीय प्रश्न-पत्र : लोकभाषा एवं साहित्य

क्रेडिट – 5

पूर्णांक 100

01-

- लोकभाषा का स्वरूप, अर्थ, विस्तार एवं प्रकृति
- भाषा और बोली में अन्तर्सम्बन्ध
- लोकभाषा के कवियों का सामान्य परिचय
- विविध सामाजिक आन्दोलनों में लोकभाषा का योगदान

02-

- लोक गीत : परिभाषा और लक्षण, लोकगीतों का काव्य सौन्दर्य – रस, अलंकार, बिम्ब, भाषा, प्रतीक, छन्द, और लय।
- लोकगीतों का वर्गीकरण – लोकगीतों के विभिन्न रूपों का परिचय।
- लोकगाथा : परिभाषा और लक्षण, लोकगाथा और लोकगीतों में अन्तर, लोक गाथाओं की उत्पत्ति के सिद्धांत, प्रमुख लोकगाथाओं का परिचय – लोरिकायन, चन्दायन, आल्हा।



## प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211010

- 03- लोक साहित्य का सामान्य परिचय :  
लोक साहित्य : परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण
- 04- लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य :  
लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक सम्बन्ध
- 05- लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता :  
लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता
- 06- लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन :  
लोक साहित्य संकलन, संरक्षण एवं संवर्द्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व।
- 07- लोक साहित्य की विविध विधाएँ:  
लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत
- 08- लोक का प्रकीर्ण साहित्य :  
लोकोक्तियाँ, मुहावरे पहेलियाँ-परंपरा एवं महत्व

संदर्भ पुस्तकें –

1. लोक साहित्य और संस्कृति-डॉ० दिनेश्वर प्रसाद, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज,
2. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग-डॉ० श्रीराम शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,
3. लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति-डॉ० उषा सक्सेना, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली,
4. लोक साहित्य की भूमिका-कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज
5. भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन-डॉ० श्रीधर मिश्र, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज
6. भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श-डॉ० वीरेन्द्र सिंह यादव, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली
7. भोजपुरी लोक का अध्ययन-कृष्णदेव उपाध्याय, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी
8. ब्रज की लोक कहानियां-सत्येन्द्र, ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा